Daily Gospel Reflections in Hindi

11 October 2019

लूकस 20 : 27 - 40

He is the God of the living

आज के सुसमाचार में हम ईसा मसीह और सदूकियों को पुनरुत्थान के बारे में विचार विमर्श करते देखते हैं । सदूकियों की विचारधारा यह थी कि मृतकों का पुनरुत्थान नहीं होता। सदूकि अभिजात वर्ग के थे, वे अपरिवर्तन वादी नियमों के शाब्दिक व्याख्या पर जोर देते और रोमन शासन -व्यवस्था में अहम भूमिका निभाने वाला एक गुट था । वे पुनरुथान में विश्वास नहीं करते थे। मृतकों के पुनरुत्थान पर फरीसी और आम जनता ने विश्वास करना आरंभ कर दिया था, उनके इसी विश्वास पर हंसी उड़ाने के लिए शास्त्री यह प्रश्न और एक काल्पनिक कहानी लेकर येसु के सामने आते हैं ।

उस जमाने में प्रचलित नियम के आधार पर कोई भी व्यक्ति निसंतान मर जाने पर उसकी विधवा को ब्याह कर उसका भाई मृतक के लिए संतान उत्पन्न कर सकता था । ईसा मसीह का उत्तर सदूकियों के दिखावे के विरुद्ध वा खुद के फायदे के लिए नियमों की व्याख्या करने के पाखंड के स्वभाव को प्रकट करते हैं। उनको सटीक जवाब देते हुए यह साबित करते हैं कि ईश्वर मृतकों का ही नहीं जीवितों का ईश्वर है । इस वचन के जरिए लोगों के मन में एक नया उमंग उत्पन्न करते हैं ।

ईश्वर हमारे लिए जीवित है ताकि जीवन में एक नई दिशा की ओर ले जाए इस समाचार के जरिए प्रभु ईसा मसीह हमें यह ज्ञान दिलाते हैं कि इस धरती का जीवन और मृत्यु के बाद के जीवन में फर्क है। प्रभु के राज्य में उनके समग्र अपने आप को प्रस्तुत करने के लिए हम इस धरती पर रहते हुए अच्छी तरह से जीवन बिताने के लिए प्रयत्न करें ।

Rev. Fr. Alex Pulickaparambil

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019